

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: ०३ दिसम्बर, 2005

विषय: जैमिनी फार्मास्यूटिकल लिंगो को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु तहसील रुड़की के ग्राम खानपुर में कुल 0.3250 हेक्टर भूमि क्य करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-244/भूमि व्यवस्था-भूमि क्य दिनांक 25 नवम्बर, 2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जैमिनी फार्मास्यूटिकल लिंगो को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उम्प्रो जमीदारी विनाश एंव भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एंव उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(v) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम खानपुर में कुल 0.3250 हेक्टर भूमि क्य करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिवन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- केता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलैक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्य करने के लिये अर्ह होगा।
- केता वैक या वित्तीय संरथाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि वन्धक या दृष्टि वन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।
- केता द्वारा क्य की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना गूमि के विक्रय यिलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की


 (2)

गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ क्य किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4— जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूखामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्य से पूर्व रामबन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5— जिस भूमि का संकरण प्रस्तावित है उसके भूखामी असंकरणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6— आवेदक स्थापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तरांचल के लोगों को 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन उपलब्ध करायेगा।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सोहन लाल)

अपर राधिव।

संख्या एंव तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2— आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3— सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4— श्री नितिन सिंघल, डायरेक्टर जैमिनी कार्मास्यूटिकल लिंग, 117 साउथ भोपाल रोड, न्यू मण्डी, मुजफ्फरनगर।
- 5— निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय।
- 6— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)

अपर राधिव

ा